

## वन एवं पर्यावरण की जानकारी देने को दो एमओयू

शाह टाइम्स संवराददाता

देहरादून। नवोदय विद्यालय समिति और केंद्रीय विद्यालय संगठन के साथ भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद ने नई दिल्ली में समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। उम्मीद है कि 10 वर्षों की अवधि के लिए हस्ताक्षरित इन समझौता ज्ञापनों से देश के युवाओं को पर्यावरण और वनों से संबंधित राष्ट्रीय और वैश्विक मुद्दों के बारे में संवेदनशील बनाया जाएगा और उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद मिलेगी।

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् देहरादून 'पर्यावरण' वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त परिषद् ने नवोदय विद्यालय समिति नवोदय विद्यालय समिति और केंद्रीय विद्यालय संगठन केंद्रीय विद्यालय संगठन के साथ नई दिल्ली में सोमवार को दो समझौता ज्ञापनों एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। सीके मिश्रा सचिव पर्यावरण वन और



### आईसीएफआरई ने नवोदय विद्यालय समिति व केंद्रीय विद्यालय संगठन के साथ किये समझौता ज्ञापन

जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, सिद्धांता दास महानिदेशक वन और विशेष सचिव पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में डॉ. एससी गैरोला, महानिदेशक भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् देहरादून, बीके सिंह आयुक्त

नवोदय विद्यालय समिति और संतोष कुमार मल्ल, आयुक्त केंद्रीय विद्यालय संगठन ने समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। वन और पर्यावरण के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने नवोदय विद्यालय समिति और केंद्रीय विद्यालय संगठन के छात्रों में वनों पर्यावरण और

समाज की सुरक्षा दर्शाने वाले कौशल को प्राप्त करने को रूचि जागृत करने, संतुलित पर्यावरण बनाए रखने तथा स्कूलों के बच्चों को हमारे संसाधनों के न्यायसंगत उपयोग के लिए व्यावहारिक कौशल सीखने और वन तथा पर्यावरण के संरक्षण के लिए लोगों के आंदोलन को बढ़ाने के लिए युवाओं के एक कैडर को इकट्ठा करने के लिये एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से प्रकृति नामक कार्यक्रम शुरू करने के उद्देश्य से समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग के माध्यम से आईसीएफआरई संस्थानों के वैज्ञानिक व्याख्यान और बातचीत के माध्यम से नवोदय विद्यालय समिति और केंद्रीय विद्यालय संगठन के छात्रों एवं शिक्षकों को पर्यावरण, वन सेवाओं और वानिकी अनुसंधान के समकालीन क्षेत्रों पर जानकारी दी जाएगी। इस अवसर पर एफआरआई निदेशक डॉ. सविता भी मौजूद रहीं।

# Punjab Kesari

## 16 October, 2018

### बच्चों को सिखाएंगे वन पर्यावरण की बारीकियां

देहरादून, 15 अक्टूबर (ब्यूरो): नवोदय विद्यालय समिति और केंद्रीय विद्यालय संगठन के स्कूलों में छात्र-छात्राएं अब पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के न्यायसंगत उपयोग की बारीकियां सीखेंगे। इसके लिए भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरआई) देहरादून, नवोदय विद्यालय समिति और केंद्रीय विद्यालय संगठन के बीच दिल्ली में कारानामा (एमओयू) साइन हुआ है।

दिल्ली में आयोजित एक समारोह में केन्द्रीय पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सचिव सीके मिश्रा और महानिदेशक वन एवं विशेष सचिव सिद्धांता दास की उपस्थिति में आईसीएफआरआई देहरादून के महानिदेशक डा. एससी गैरोला, नवोदय विद्यालय समिति के आयुक्त बीके सिंह व केन्द्रीय विद्यालय संगठन के आयुक्त संतोष कुमार मल्ल ने कारानामों पर हस्ताक्षर किये। समझौते के तहत आईसीएफआरआई के वैज्ञानिक व्याख्यान

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून, नवोदय विद्यालय समिति व केंद्रीय विद्यालय संगठन के बीच दिल्ली में हुआ करार

और बातचीत के जरिये नवोदय विद्यालय समिति और केंद्रीय विद्यालय संगठन के स्कूलों में छात्रों एवं शिक्षकों को पर्यावरण, वन, पर्यावरण सेवाओं और वानिकी अनुसंधान की जानकारी देंगे। इस दौरान इन छात्रों और शिक्षकों को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के संस्थानों की प्रयोगशालाओं के भ्रमण और उनमें परीक्षण के अवसर भी दिये जायेंगे। 10 वर्षों की अवधि के लिए किये गये इस करारनामे से देश के युवाओं को पर्यावरण और वनों से जुड़े राष्ट्रीय और वैश्विक मुद्दों के बारे में संवेदनशील बनाया जाएगा, जिससे उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद मिलेगी।

#### आईसीएफआरआई का फोकस

आईसीएफआरआई के देश भर में 9 संस्थान और 5 केंद्र में स्थित है। वर्तमान में आईसीएफआरआई जलवायु परिवर्तन, वन उत्पादकता, जैव विविधता और कौशल विकास के क्षेत्रों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय महत्व के समकालीन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रही है।



सोमवार को दिल्ली में एमओयू साइन करने के दौरान अधिकारी।

# Amar Ujala, 16 October, 2018

## पर्यावरण संरक्षण की जानकारी देंगे आईसीएफआरई के वैज्ञानिक

देहरादून। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) के वैज्ञानिक नवोदय व केंद्रीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को वन एवं पर्यावरण संरक्षण का पाठ प्रढ़ाएंगे। इस संबंध में नई दिल्ली में केंद्रीय पर्यावरण सचिव सीके मिश्रा, महानिदेशक वन एवं विशेष सचिव सिद्धांत दास की मौजूदगी में आईसीएफआरई के महानिदेशक डॉ. एससी गैरोला, नवोदय के आयुक्त बीके सिंह व केंद्रीय विद्यालय संगठन के आयुक्त संतोष कुमार मल्ल ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। आईसीएफआरई के महानिदेशक डॉ. गैरोला ने बताया कि भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा

परिषद देश भर में स्थित अपने नौ संस्थानों और पांच केंद्रों के जरिए राष्ट्रीय स्तर पर वानिकी अनुसंधान, पर्यावरण एवं वन संरक्षक के प्रति जागरूकता अभियान चला रहा है। समझौते के तहत संस्थान के वैज्ञानिक शिक्षकों, छात्र छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण, वन संरक्षण के साथ ही वानिकी अनुसंधान से जुड़े विषयों की जानकारी देंगे। इसके अलावा प्रायोगिक अनुभवों के लिए भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के संस्थानों की प्रयोगशालाओं और परीक्षण क्षेत्रों के लिए दौरों का आयोजन भी किया जाएगा। समझौता 10 साल के लिए किया गया है। ब्यूरो

# Dainik Jagran, 16 October, 2018

## नवोदय और केवि के छात्र वानिकी अनुसंधान से जुड़ेंगे

जागरण संवाददाता, देहरादून: नवोदय विद्यालय व केंद्रीय विद्यालय (केवि) के छात्र अब कम उम्र में ही वानिकी अनुसंधान की बारीकियां सीख सकेंगे। इसको लेकर भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) ने नवोदय विद्यालय समिति व केवि संगठन के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

सोमवार को नई दिल्ली में परिषद के महानिदेशक डॉ. एससी गैरोला ने केवि संगठन के आयुक्त संतोष कुमार मल्ल

व नवोदय विद्यालय समिति के आयुक्त बीके सिंह के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए। डॉ. गैरोला ने कहा कि परिषद के देशभर में एफआरआइ समेत नौ संस्थान हैं। 10 साल के लिए किए गए एमओयू में छात्रों को वानिकी अनुसंधान के विभिन्न विषयों में दक्ष बनाया जाएगा। एमओयू पर हस्ताक्षर पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के विशेष सचिव सिद्धांत दास की उपस्थिति में किए गए।

# Rashtriya Sahara, 16 October, 2018

## नवोदय और केंद्रीय विद्यालय के छात्र सीखेंगे वन प्रबंधन

सहारा न्यूज ब्यूरो  
देहरादून।

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरआई), नवोदय विद्यालय समिति व केंद्रीय विद्यालय संगठन के मध्य समझौता हुआ है। सोमवार को दिल्ली में हुए एमओयू पर वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

की ओर से सचिव सीके मिश्रा, वन महानिदेशक सिद्धांत दास गुप्ता, आईसीएफआरआई के महानिदेशक डा. एसी गैरोला और नवोदय विद्यालय समिति के आयुक्त बीके सिंह तथा केंद्रीय विद्यालय संगठन के आयुक्त संतोष कुमार मल्ल ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। समझौता ज्ञापन के तहत आईसीएफआरआई के देशभर में स्थित नौ

आईसीएफआरआई, नवोदय विद्यालय समिति व केवी संगठन के मध्य करार

संस्थान व पांच केंद्र अपने-अपने माध्यम से नवोदय विद्यालयों व केंद्रीय विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को वानिकी शिक्षा का ज्ञान देने के साथ वन प्रबंधन के प्रति जागरूक करेंगे।

एमओयू पर हस्ताक्षर करते हुए संस्थान के उच्चाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि इसका लाभ नवोदय व

केंद्रीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को मिलेगा। नवोदय विद्यालयों में अधिकांशतः ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली बच्चे अध्ययन करते हैं।

इन प्रतिभाशाली बच्चों को वानिकी प्रबंधन के प्रति जागरूक करना भी जरूरी है। अब यह कार्य आईसीएफआरआई व उसके संबद्ध संस्थानों से जुड़े वन वैज्ञानिक करेंगे।

## I-Next, 16 October, 2018

### एमओयू पर हस्ताक्षर किये

नवोदय विद्यालय समिति और केंद्रीय विद्यालय संगठन के साथ भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद ने समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। नई दिल्ली में दो एमओयू पर सोमवार को हस्ताक्षर हुए। अनुसंधान एवं परिषद देशभर में स्थित अपने 9 संस्थानों और 5 केंद्रों के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर वानिकी अनुसंधान, विस्तार एवं शिक्षा का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

# The Himachal Times

## 16, October, 2018

### ICFRE signs MoU with Navodaya Vidyalaya Samiti, Kendriya Vidyalaya Sangathan

DEHRADUN,  
OCT 15 (HTNS)

**T**wo Memorandum of Understanding (MoU) were signed today in New Delhi by Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE), Dehradun (an Autonomous Council under the Ministry of Environment, Forest and Climate Change) with Navodaya Vidyalaya Samiti (NVS) and Kendriya Vidyalaya Sangathan (KVS). In the presence of C.K. Mishra, Secretary, Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MoEF&CC), Siddhanta Das, Director General Forests and Special Secretary, MoEF&CC and other senior officers, the MoUs were signed by Dr. S. C. Gairola, Director General, ICFRE, Dehradun, B.K. Singh, Commissioner, NVS and Santosh Kumar Mall, Commissioner, KVS.

ICFRE, through its nine Institutes and five Centres located across the country, is guiding, promoting and coordinating forestry research, extension and education at the national level. Currently ICFRE is focusing on contemporary issues of national and international importance particularly in the areas of climate change, forest productivity, biodiversity conservation and skill development.

Navodaya Vidyalaya Samiti was established with the primary objective to provide modern quality education to the talented children predominantly from the rural areas, without regard to their family's socio-economic condition. At present, it has 660 functional residential schools. Kendriya Vidyalaya Sangathan was established in 1963 to provide uninterrupted education to wards of the transferable Central

Government Employees. The MoUs have been signed to launch the programme "Prakriti" with the objective to promote awareness about forests and environment, to stimulate interest among the students of NVS and KVS in maintaining a balanced environment and for acquiring skills that reflect care and protection towards forests, environment and society, to provide a platform to school children to learn practical skills towards judicious use of the resources, and to mobilize a cadre of youth for raising a people's movement committed to conservation of forest and environment. The MoUs, signed for a period of 10 years, are expected to make the youth of the country sensitive about national and global issues of environment and forests and help them to become responsible citizens.

## ICFRE enters MoUs with NVS & KVS to launch Prakriti programme

**Council to impart forest related knowledge in schools**

PNS ■ DEHRADUN

Two memoranda of understanding were signed in New Delhi by the Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE), Dehradun, with Navodaya Vidyalaya Samiti (NVS) and Kendriya Vidyalaya Sangathan (KVS).

The MoUs have been signed to launch the Prakriti programme to promote awareness about forests and environment, stimulate interest among the students of NVS and KVS in maintaining a balanced environment and for acquiring skills that reflect care and protection towards forests, environment and society.

The aim is also to provide a platform to school children to learn practical skills towards judicious use of resources and to mobilise a cadre of youth for raising a people's movement committed to conservation of forest and environment. Through this collaboration, knowledge shall be imparted to students/teachers of NVS and KVS on environment, forest, environmental services and contemporary areas of forestry research by way of lectures and interactive sessions by scientists of ICFRE institutes.

Visits of students/teachers of NVS and KVS schools will also be arranged to the labo-



ratories and field/experiments of ICFRE institutes for hands-on experiences.

The MoUs, signed for a period of 10 years, are expected to make the youth of the country sensitive about national and global issues of environment and forests and help them to become responsible citizens.

ICFRE, through its nine institutes and five centres located across the country, is guiding, promoting and coordinating forestry research, extension and education at the national level.

The council is currently focusing on contemporary issues of national and international importance particularly in the areas of climate change, forest productivity, biodiversity conservation and skill development.

NVS was established with the primary objective of providing modern quality education to the talented children predominantly from the rural areas, without regard to their family's socio-economic condition. At present, it has 660

functional residential schools. KVS was established in 1963 to provide uninterrupted education to wards of the transferable Central Government Employees. KVS established Kendriya Vidyalayas all over

THE MOUS, SIGNED FOR A PERIOD OF 10 YEARS, ARE EXPECTED TO MAKE THE YOUTH OF THE COUNTRY SENSITIVE ABOUT NATIONAL AND GLOBAL ISSUES OF ENVIRONMENT AND FORESTS AND HELP THEM TO BECOME RESPONSIBLE CITIZENS

the country to impart quality education, promotion of national integration, adventure activities and physical education.

The MoUs were signed by ICFRE director general SC Gairola, NVS commissioner

BK Singh and KVS commissioner Santosh Kumar Mall. Ministry of Environment, Forests and Climate Change secretary CK Mishra, director general of forests Sidhanta Das and other officials were also present on the occasion.